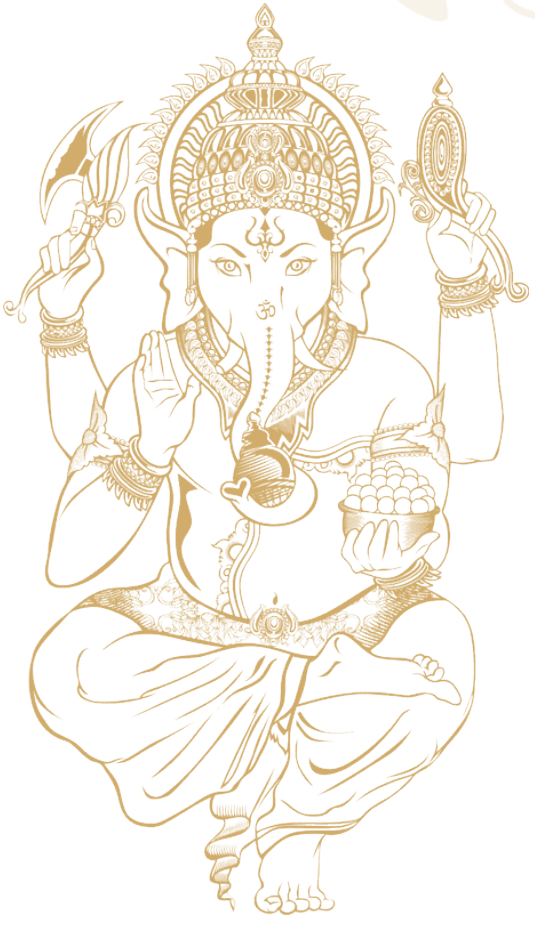

Mr Dr. Nishesh Jain

28 Sep 1981

03:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121177102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/09/1981**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	52:00:03 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:55 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:12 घंटे
सूर्योदय	06:11:58 घंटे
सूर्यास्त	18:11:59 घंटे
दिनमान	12:00:01 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	11:04:37 कन्या
लग्न के अंश	28:17:01 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुक्ल
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	28:17:01	309:40:17	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			कन्या	11:04:37	00:58:55	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			कन्या	07:53:13	12:34:19	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			कर्क	22:31:11	00:36:42	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	नीच राशि
बुध			तुला	06:44:05	00:44:56	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
गुरु			कन्या	23:37:54	00:12:51	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	23:44:15	01:09:00	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि		अ	कन्या	18:13:11	00:07:20	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		कर्क	05:59:38	00:11:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	05:59:38	00:11:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	03:41:18	00:02:36	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
नेप			वृश्चि	28:39:07	00:00:48	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
प्लूटो			कन्या	29:53:21	00:02:18	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	---
दशम भाव			मेष	25:09:19	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:35:51

लग्न-चलित

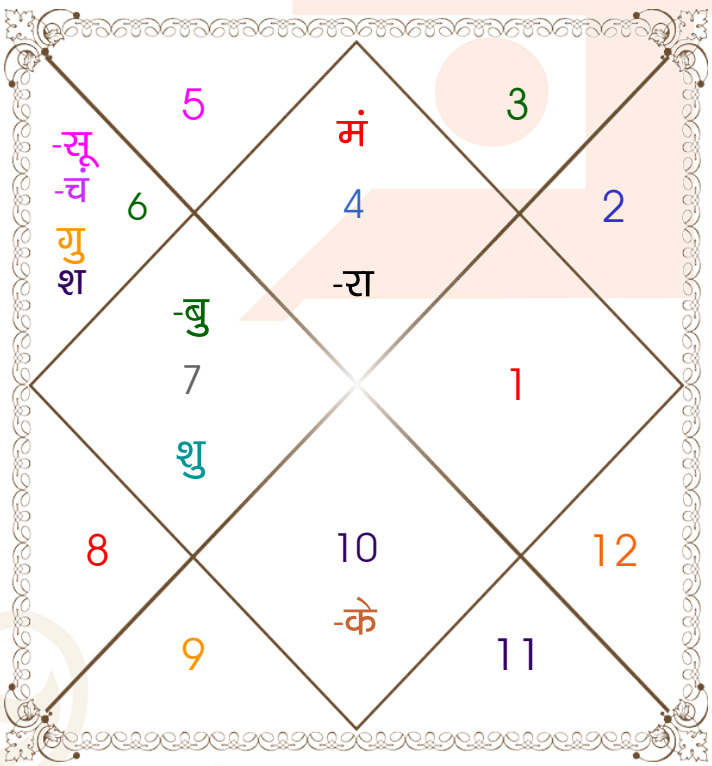

चन्द्र कुंडली

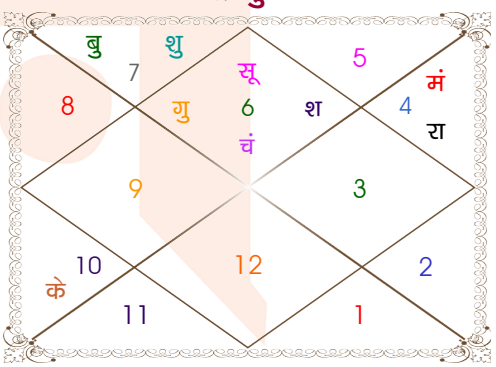

नवमांश कुंडली

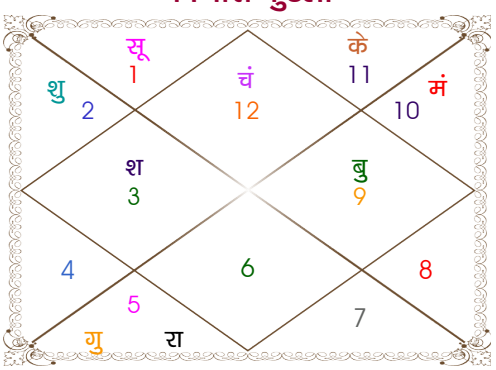

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 11 मास 12 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/09/1981		10/09/1982		09/09/1992		10/09/1999		10/09/2017	
10/09/1982		09/09/1992		10/09/1999		10/09/2017		10/09/2033	
	00/00/0000	चंद्र	11/07/1983	मंगल	06/02/1993	राहु	23/05/2002	गुरु	29/10/2019
	00/00/0000	मंगल	09/02/1984	राहु	24/02/1994	गुरु	16/10/2004	शनि	11/05/2022
	00/00/0000	राहु	10/08/1985	गुरु	31/01/1995	शनि	23/08/2007	बुध	16/08/2024
	00/00/0000	गुरु	10/12/1986	शनि	11/03/1996	बुध	11/03/2010	केतु	23/07/2025
	00/00/0000	शनि	11/07/1988	बुध	08/03/1997	केतु	30/03/2011	शुक्र	23/03/2028
	00/00/0000	बुध	10/12/1989	केतु	04/08/1997	शुक्र	30/03/2014	सूर्य	09/01/2029
	00/00/0000	केतु	11/07/1990	शुक्र	04/10/1998	सूर्य	21/02/2015	चंद्र	11/05/2030
	28/09/1981	शुक्र	11/03/1992	सूर्य	09/02/1999	चंद्र	22/08/2016	मंगल	17/04/2031
शुक्र	10/09/1982	सूर्य	09/09/1992	चंद्र	10/09/1999	मंगल	10/09/2017	राहु	10/09/2033

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
10/09/2033		09/09/2052		10/09/2069		09/09/2076		09/09/2096	
09/09/2052		10/09/2069		09/09/2076		09/09/2096		29/09/2101	
शनि	12/09/2036	बुध	06/02/2055	केतु	06/02/2070	शुक्र	10/01/2080	सूर्य	28/12/2096
बुध	24/05/2039	केतु	03/02/2056	शुक्र	08/04/2071	सूर्य	09/01/2081	चंद्र	29/06/2097
केतु	01/07/2040	शुक्र	04/12/2058	सूर्य	14/08/2071	चंद्र	10/09/2082	मंगल	03/11/2097
शुक्र	01/09/2043	सूर्य	11/10/2059	चंद्र	14/03/2072	मंगल	10/11/2083	राहु	28/09/2098
सूर्य	13/08/2044	चंद्र	11/03/2061	मंगल	10/08/2072	राहु	10/11/2086	गुरु	17/07/2099
चंद्र	14/03/2046	मंगल	08/03/2062	राहु	29/08/2073	गुरु	11/07/2089	शनि	29/06/2100
मंगल	23/04/2047	राहु	25/09/2064	गुरु	04/08/2074	शनि	09/09/2092	बुध	06/05/2101
राहु	27/02/2050	गुरु	01/01/2067	शनि	13/09/2075	बुध	11/07/2095	केतु	11/09/2101
गुरु	09/09/2052	शनि	10/09/2069	बुध	09/09/2076	केतु	09/09/2096	शुक्र	29/09/2101

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 11 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।